

5.8.21

प्राणिकी प्रयोग करी ल करी करुणोभयत है,
समय 4.10 PM से रहा है, कामकाज का कोई
शुद्ध इच्छा नहीं, पुनः कामकाज का कोई
गर्ह। बार-बार कामकाज करने का
करी ल करी प्रय. करी है। पुनः 102 करुण
सारी करुण करी के करुण करुणोभयत है,
प्राणिकी प्रयोग शुकाती जात कर करुण
करुण करुण (है) है